भारत सरकार
परमाणु ऊर्जा विभाग
लोक सभा
तारांकित प्रश्न संख्या-172
उत्तर दिनांक 11.02.2026 को दिया गया

दुर्लभ मृदा तत्वों के लिए सर्वेक्षण

*172. श्री विवेक ठाकुर

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का विचार बिहार के नवादा और शेखपुरा जिलों में दुर्लभ मृदा तत्वों की संभावित उपलब्धता के संबंध में कोई सर्वेक्षण कराने का है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार का विचार इंडियन रेयर अर्थ्स लिमिटेड (आईआरईएल) के माध्यम से उक्त क्षेत्रों में वैज्ञानिक अन्वेषण/सर्वेक्षण कराने का है; और

(ग) यदि हां, तो उक्त सर्वेक्षण करने के लिए क्या समय-सीमा निर्धारित की गई है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधानमंत्री कार्यालय (डॉ. जितेन्द्र सिंह)

(क) से (ग): सदन के पटल पर विवरण प्रस्तुत है।

*****

भारत सरकार
परमाणु ऊर्जा विभाग

"दुर्लभ मृदा तत्वों के लिए सर्वेक्षण" के संबंध में श्री विवेक ठाकुर द्वारा पूछे गए लोक सभा के तारांकित प्रश्न संख्या 172 के भाग (क) से (ग), जिसका उत्तर दिनांक 11.02.2026 को दिया जाना है, के उत्तर में प्रस्तुत विवरण

(क) हां, परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएई) की एक संघटक इकाई, परमाणु खनिज अन्वेषण एवं अनुसंधान निदेशालय (एएमडी) विरल मृदा तत्वों (आरईई) के खनिजों सहित महत्वपूर्ण और सामरिक खनिजों के अन्वेषण के लिए नवादा जिले, बिहार के कुछ भागों सहित कोडरमा जिले और आस-पास के क्षेत्रों में जी4-चरण का भूवैज्ञानिक और रेडियोमितिक सर्वेक्षण कर रहा है। यद्यपि, वर्तमान में एएमडी शेखपुरा जिला, बिहार में सर्वेक्षण नहीं कर रहा है।

(ख) व (ग) वैज्ञानिक अन्वेषण/सर्वेक्षण करना परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएई) की एक संघटक इकाई, परमाणु खनिज अन्वेषण एवं अनुसंधान निदेशालय (एएमडी) का अधिदेश है।

*****